Madhya Pradesh Bhoj (Open) University

Vol. 2025-3
July - September 2025
https://mpbou.edu.in

e-Newsletter

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY, BHOPAL
RAJA BHOJ MARG, KOLAR ROAD, BHOPAL (M.P.)

गुरु पूर्णिमा पर्व

दिनांक - 10 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही इस अवसर पर विश्वविद्यालय में M.Ed. विशेष शिक्षा की संपर्क कक्षाओं का भी शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के M.Ed. विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के कर्मचारी, शिक्षकगण और अधिकारीगण सम्मिलित हुए विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। जिसमे मुख्यमंत्री मोहन यादव द्वारा स्कूलीय शिक्षा एवं विद्यार्थियों के हित में विभिन्न घोषणाएं की गई।

गुरु पूर्णिमा पर्व
दिनांक - 10 जुलाई 2025

इसके पश्चात विश्वविद्यालय में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर कार्यक्रम आरम्भ हुआ। जिसमे सभी गुरुओं ने अपने भावनात्मक विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में M.Ed विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों द्वारा विशेष प्रस्तुतियां भी दी गईं। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर संबोधित करते हुए विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत केसवाल ने कहा कि, यह बहुत ही हर्ष का विषय है कि, आज गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर विश्वविद्यालय में M.Ed विशेष शिक्षा के प्रथम बैच की संपर्क कक्षाओं का शुभारम्भ हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि, हमें संयम, अनुशासन और प्रगतिशील विचार धारित करने चाहिए।

डॉ. केसवाल ने कहा कि, ये संपर्क कक्षाएं इंटरेक्शन और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के माध्यम से विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार के कौशलों के विकास करने पर केंद्रित होगा। यहां अकादमिक प्रशिक्षण के साथ-साथ एक उत्तम मानव का निर्माण करना भी हमारा उद्देश्य है। शिक्षक से गुरु तक की यात्रा करने की अभिलाषा हर शिक्षक की होती है। शिक्षक से गुरु बनने के लिए हमें अपने व्यक्तित्व का उच्चतम विकास करना होगा।

गुरु पूर्णिमा पर्व
दिनांक - 10 जुलाई 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि, गुरु पर्व मनाने का उद्देश्य गुरु शिष्य परंपरा को पुनर्जीवित करना है। गुरु की भूमिका एक सफल व्यक्तित्व के निर्माण में बहुत अहम होती है। उन्होंने कहा कि, आज के समय में हम अपने छोटों से भी कई प्रकार के तकनीकी ज्ञान प्राप्त करते हैं। उनको भी हमें अपने गुरु के समान ही मनाना चाहिए। उन्होंने M.Ed के विद्यार्थियों से कहा कि, उन्हें यहां दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन करना चाहिए और अपने गुरुओं से लगातार संपर्क करते हुए ज्ञान प्राप्त करते रहना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुद्रण एवं वितरण विभाग की निदेशक प्रो. विभा मिश्रा ने कहा कि, गुरु की महिमा है कि, वह हमारा खुद से परिचय करता है। बचपन में माँ से लेकर बड़े होने तक हमारे जीवन के हर मोड़ पर हमें किसी न किसी गुरु का मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है गुरु हमें शिक्षा के साथ साथ जीवन जीने की कला भी सीखते है नैतिक मूल्यों एवं संस्कृति के महत्व को समझते है वह सब हमारे गुरु समान ही है।

कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

गुरु पूर्णिमा पर्व
दिनांक - 10 जुलाई 2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 11/07/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल

भोज मुक्त विवि में गुरु पूर्णिमा पर एम.एड. विशेष शिक्षा की संपर्क कक्षाओं का शुभारंभ

भोपाल। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में गुरुवार को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर एम.एड. विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम की संपर्क कक्षाओं का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सभागार में मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय गुरु पूर्णिमा समारोह के सजीव प्रसारण से हुई, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्कूली शिक्षा और विद्यार्थियों के हित में कई घोषणाएं कीं। इस अवसर पर विशेष शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हेमंत केसवाल ने कहा कि गर्व का विषय है कि गुरु पूर्णिमा जैसे शुभ दिन पर एम.एड. विशेष शिक्षा के पहले बैच की संपर्क कक्षाओं की शुरुआत हो रही है। मुद्रण एवं वितरण विभाग की निदेशक प्रो. विभा मिश्रा ने कहा कि गुरु ही वह माध्यम है जो हमें अपने वास्तविक अस्तित्व से परिचित कराता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का उद्देश्य केवल परंपरा निभाना नहीं, बल्कि गुरु-शिष्य संबंधों की पुन: स्थापना और उसकी महत्ता को समझना है। गुरु एक ऐसा पथप्रदर्शक होता है जो व्यक्ति को न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन का सही मार्ग भी दिखाता है। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया।

Date: 11/07/2025, Page: 3, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com

बहु-दिव्यांग गुरदीप कौर का सम्मान
दिनांक - 14/07/2025

बहु-दिव्यांग सुश्री गुरदीप कौर वासु को मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही यह भी कहा कि अगर वह आगे की शिक्षा भोज विश्वविद्यालय से ग्रहण करेंगी तो उन्हें पूरी शिक्षा विश्वविद्यालय मुफ्त में प्रदान करेगा।

सोमवार को सुश्री गुरदीप कौर ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने बीएड विशेष शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपनी सांकेतिक भाषा में संवाद किया। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्माण एवं शोध केंद्र में वीडियो साक्षात्कार दिया।

बहु-दिव्यांग सुश्री गुरदीप कौर मूक, बधिर एवं दृष्टिहीन दिव्यांग हैं। साथ ही वे इस श्रेणी में भारत की पहली बहु-दिव्यांग महिला हैं, जिन्होंने वाणिज्य कर विभाग में सरकारी नौकरी हासिल की है।

बहु-दिव्यांग गुरदीप कौर का सम्मान
दिनांक - 14/07/2025

साक्षात्कार श्रीमती निधि रावल गौतम, वरिष्ठ सलाहकार, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) द्वारा लिया गया। इस मौके पर सुश्री गुरदीप कौर की माताजी श्रीमती मंजीत कौर ने बताया कि, उनकी बेटी ने सुनने, बोलने एवं देखने में अक्षम होने बाद भी अपनी लगन एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से सरकारी नौकरी हासिल की है।

इस मौके पर सुश्री गुरदीप कौर की मेंटर श्रीमती मोनिका पुरोहित, निदेशक, आनंद सर्विस सोसाइटी, इंदौर एवं श्री ज्ञानेंद्र पुरोहित, सचिव, आनंद सर्विस सोसाइटी, इंदौर, डॉ हेमंत केसवाल, निदेशक, विशेष शिक्षा विभाग एवं डॉ नरेंद्र त्रिपाठी, निदेशक, ईएमपीआरसी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मंडेरिया ने सुश्री गुरदीप कौर वासु को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

बहु-दिव्यांग गुरदीप कौर का सम्मान
दिनांक - 14/07/2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 15/07/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार द

भोज विश्वविद्यालय ने दिव्यांग गुरदीप कौर को किया सम्मानित

उच्च शिक्षा भोज विश्वविद्यालय से ग्रहण करने पर मुफ्त शिक्षा प्रदान करेगा विश्वविद्यालय

भोपाल। दिव्यांग गुरदीप कौर वासु को मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही यह भी कहा कि अगर वह आगे की शिक्षा भोज विश्वविद्यालय से ग्रहण करेंगी तो उन्हें पूरी शिक्षा विश्वविद्यालय मुफ्त में प्रदान करेगा। दिव्यांग गुरदीप कौर मूक, बधिर एवं दृष्टिहीन दिव्यांग हैं। साथ ही वे इस श्रेणी में भारत की पहली दिव्यांग महिला हैं, जिन्होंने वाणिज्य कर विभाग में सरकारी नौकरी हासिल की है। सोमवार को गुरदीप कौर ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने बीएड विशेष शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपनी सांकेतिक भाषा में संवाद किया। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्माण एवं शोध केंद्र में वीडियो साक्षात्कार कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं। इस मौके पर गुरदीप कौर की माताजी मंजीत कौर ने बताया कि, उनकी बेटी सुनने, बोलने एवं देखने में अक्षम होने बाद भी अपनी लगन एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से सरकारी नौकरी हासिल की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मंडेरिया ने गुरदीप कौर वासु को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर गुरदीप कौर की मेंटर मोनिका पुरोहित, आनंद सर्विस सोसाइटी, इंदौर के सचिव ज्ञानेंद्र पुरोहित, विशेष शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ हेमंत केसवाल एवं ईएमपीआरसी के निदेशक डॉ नरेंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

Date: 15/07/2025, Page: 3, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com

MOOCS (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस) कार्यशाला
दिनांक - 15 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने ऑनलाइन वीडियो लेक्चर तैयार करने की बारीकियों को समझा। विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा विभाग एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन एवं रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस) विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि ऑनलाइन लेक्चर की तकनीकी जानकारी का ज्ञान सभी विद्यार्थियों को होना चाहिए। उन्होंने दूरवर्ती शिक्षा के माध्यम को रेखांकित करते हुए कहा कि दूरवर्ती शिक्षा का महत्व काफी बढ़ गया है। भारत सरकार का स्वयं पोर्टल दूरवर्ती माध्यम के द्वारा कई रोजगार उन्मुखी पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

MOOCS (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस) कार्यशाला
दिनांक - 15 जुलाई 2025

प्रोड्यूसर प्रमोद निगम ने कहा कि स्टूडियो सेटअप एडिटिंग एवं कैमरा संचालन का बेसिक ज्ञान वीडियो लेक्चर तैयार करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टूडियो भ्रमण के दौरान वीडियो प्रोडक्शन की तकनीकी जानकारियां प्रदान की।

MOOCS (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस) कार्यशाला
दिनांक - 15 जुलाई 2025

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रो. बी.बी. शर्मा ने कहा कि तकनीक का विस्तार तेजी से हुआ है। ऑनलाइन पद्धति का प्रयोग करके अपनी दक्षता को कहीं अधिक बढ़ाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन एवं रिसर्च सेंटर के निदेशक डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि यह दौर डिजिटल मीडिया का है। इस समय ऑनलाइन शिक्षा का प्रसार तेजी से हो रहा है। भारत सरकार के स्वयं पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन पाठ्यक्रम पूर्ण किए जा सकते हैं। साथ ही ऑनलाइन वीडियो निर्माण का तकनीकी ज्ञान हासिल कर ऑनलाइन वीडियो तैयार कर सकते हैं।

विशेष शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. हेमंत केसवाल ने कहा कि विशेष शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन वीडियो लेक्चर तैयार करने की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन वीडियो तैयार करने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ विषय का ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल जिसे NDRF भी कहा जाता है, की टीम द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को आपदा के समय किस प्रकार अपने जान माल को नुकसान से बचाना है।

और दूसरे साथियों की किस प्रकार जीवन रक्षा की जा सकती है। इसके संदर्भ में विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिया गया । इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ कर्मचारी और अधिकारी गण भी मौजूद रहे। एनडीआरएफ के सहायक कमांडेंट सैयद बादशाह सिकंदर ने बताया कि एनडीआरफ का गठन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 2006 में किया गया है। इसकी 16 बटालियन हैं।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

इनका कार्य प्राकृतिक और मानव निर्मित विभिन्न प्रकार के आपदाओं से बचाव राहत और पुनर्वास हेतु प्रयास करना है । इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल से जवानों को लिया जाता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

एनडीआरएफ सुनामी तथा अन्य मानव निर्मित आपदाओं के दौरान विशेष बचाव का कार्य करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सीपीआर देने के सही तरीके को करके बताया और विद्यार्थियों से भी करवाया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया की भूकंप, बाढ़ या अन्य मानव निर्मित खतरों से किस प्रकार सावधानी रखते हुए बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दिल का दौरा पड़ना और हीट स्ट्रोक ये एक राष्ट्रीय आपदा है। उन्होंने जन सामान्य को सचेत करते हुए कहा कि हमें दिल का दौरा जैसी आपदा से बचने के लिए खाने में अधिक तेल वाली चीज खाने से बचना चाहिए, मोबाइल का कम से कम इस्तेमाल करना चाहिए और तनावपूर्ण जीवन से दूर रहना चाहिए श्री सिकंदर ने कहा कि रासायनिक आपदाएं मानव निर्मित होती हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह जानना होगा कि कौन सा रसायन की क्या प्रकृति है। कौन सा रसायन ऊपर की ओर उठता है, कौन सा रसायन नीचे बैठता है ,उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा की अमोनिया अक्सर ऊपर जाती है जबकि क्लोरीन नीचे बैठती है और कुछ रसायन ऐसे होते हैं जिनसे आग लग जाती है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में इस अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के अधिकारियों, जवानों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री निधि रावल गौतम ने और विषय प्रवर्तन विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक डॉ. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया । धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ सुशील मंडेरिया द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल प्रशिक्षण एवं पौधारोपण कार्यक्रम
दिनांक - 17 जुलाई 2025

व्यास पूजा कार्यक्रम
दिनांक - 18 जुलाई 2025

भारतीय शिक्षण मंडल, मध्य भारत प्रांत तथा मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय शिक्षण मंडल मध्य प्रांत के उपाध्यक्ष श्री मेघ श्याम के द्वारा मंडल के धेय श्लोक एवं उद्देश्यों की जानकारी के साथ हुई।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय शिक्षण मंडल मध्य प्रांत के अध्यक्ष डॉ. एच बी गुप्ता ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना 1979 में हुई थी। यह एक वैचारिक और बौद्धिक संगठन है। हम भारतीय ज्ञान परंपरा को विद्यार्थियों की पाठ्यचर्या में समाहित करने का प्रयास करते हैं। भारतीय शिक्षण मंडल को ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को बनाने का श्रेय जाता है, इसके निर्माण में शुरू से लेकर अंत तक भारतीय शिक्षण मंडल सम्मिलित रहा है और इसकी 70% से अधिक शिक्षण सामग्री को भारतीय शिक्षण मंडल में ही बनाया गया है। हमारा संगठन शोध के क्षेत्र में भी काम कर रहा है और हमारे शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत को विश्व गुरु मानता है और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में आप देख सकते हैं। भारतीय शिक्षण मंडल भारतीय ज्ञान संपदा पर आधारित पुस्तक लेखन का कार्य भी करता है। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों से आवाहन किया कि आप संगठन से जुड़ें और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित पुस्तक लेखन में अपना योगदान दें।

व्यास पूजा कार्यक्रम
दिनांक - 18 जुलाई 2025

व्यास पूजा के संदर्भ में डॉ. एच बी गुप्ता ने कहा कि गुरु शिष्य परंपरा भारत में शुरू से ही रही है। किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास के लिए गुरु की अत्यंत आवश्यकता होती है जैसे ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना की है, उसी प्रकार विद्यार्थियों के गुणों को परिष्कृत करने का कार्य भी गुरु के माध्यम से ही होता है। उन्होंने भारतीय गुरुकुल परंपरा की विशेषताओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि अगर आपको ज्ञान प्राप्त करना है और कौशल अर्जित करना है तो गुरु की शरण में जाना ही पड़ेगा। डॉ. एच बी गुप्ता ने कहा कि व्यास पूजा का कार्यक्रम भारतीय शिक्षण मंडल महर्षि वेदव्यास के जन्म दिवस के उपलक्ष में मनाता है। महर्षि वेदव्यास जिन्होंने चारों वेदों ,महाभारत, गीता, 18 पुराण एवं उपनिषदों की रचना की उन्हीं की स्मृति में व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निर्देशक प्रो. रतन सूर्यवंशी ने किया धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के प्रभारी कुल सचिव श्री नितिन सांगले द्वारा किया गया।

व्यास पूजा कार्यक्रम
दिनांक - 18 जुलाई 2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल
दिनांक- 19/07/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल

भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यचर्या में शामिल करना भारतीय शिक्षण मंडल का उद्देश्य है : डॉ. एच बी गुप्ता

भोपाल। भारतीय शिक्षण मंडल, मध्य भारत प्रांत तथा मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में व्यास पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय शिक्षण मंडल मध्य प्रांत के उपाध्यक्ष मेघ श्याम के द्वारा मंडल के धेय श्लोक एवं उद्देश्यों की जानकारी के साथ हुई। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय शिक्षण मंडल मध्य प्रांत के अध्यक्ष डॉ. एच बी गुप्ता ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल की स्थापना 1969 में हुई थी। यह एक वैचारिक और बौद्धिक संगठन है। हम भारतीय ज्ञान परंपरा को विद्यार्थियों की पाठ्यचर्या में समाहित करने का प्रयास करते है। भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया गय। इसके निर्माण में शुरू से लेकर अंत तक भारतीय शिक्षण मंडल सम्मिलित रहा है और इसकी शिक्षण सामग्री को भारतीय शिक्षण मंडल ने बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। हमारा संगठन शोध के क्षेत्र में भी काम कर रहा है और हमारे शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठने के लिए लगातार प्रतिबद्ध हैद्य डॉक्टर गुप्ता ने कहा कि आज पूरा विश्व भारत को विश्व गुरु मानता है और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में आप देख सकते हैं।

Date: 19/07/2025, Page: 3, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com

विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम
दिनांक - 24 जुलाई 2025

विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम
दिनांक - 24 जुलाई 2025

मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान कार्यक्रम "रेकी" विधि एवं उसके प्रभाव पर आधारित था। विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम के अंतर्गत रेकी व्याख्यान कार्यक्रम विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में कॉस्मिक रिदम संस्था, भोपाल की रेकी थैरेपिस्ट, सुश्री ऋतु नंदा उपस्थित रहीं। साथ ही कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया द्वारा की गई। इस मौके पर रेकी थैरेपिस्ट ऋतु नंदा ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को रेकी थैरेपी प्रायोगिक रूप से देते हुए समझाई।

विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम
दिनांक - 24 जुलाई 2025

मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सुश्री ऋतु नंदा ने कहा कि हमें दिनचर्या में आजकल के आधुनिक जीवन में लगातार तनाव का सामना करना पड़ता है और इस तनाव से हमें थकावट और दर्द महसूस होता है। यह थकावट और दर्द ही लंबे समय तक चलते रहने से बीमारी में बदल जाती है। ऋतु नंदा ने इस कार्यक्रम में मनुष्य के शरीर के तंत्रिका तंत्र, स्वसन तंत्र, पाचन तंत्र, अंतश्रवी तंत्र तथा मांसपेशीय तंत्र पर तनाव किस प्रकार से प्रभाव डालता है, इस पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि रेकी एक प्रकार की स्पर्श हीलिंग की कला है। जिसको एक जापानी प्रो. ने ईजाद किया था। उन्होंने कहा कि रेकी का अर्थ है, आकाशीय ऊर्जा या प्राण ऊर्जा। शरीर का केवल 10% हिस्सा ही हम भौतिक शरीर के रूप में देखते हैं। इसके अलावा भी हमारे कई शरीर हैं। जैसे उर्जा शरीर, जिसे प्रभा मंडल भी कहते हैं। यह हमारे शरीर के चारों ओर होता है। रेकी सकारात्मक विधियों के द्वारा इस ऊर्जामय शरीर को बढ़ाता है। इसके अलावा हमारे चारों ओर एक औरा होता है, जिसे प्रभाव मंडल कहते हैं। इसी उर्जा मंडल के पास एक मनोमय शरीर भी होता है।

विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम
दिनांक - 24 जुलाई 2025

उन्होंने कहा कि रेकी एक सकारात्मक ऊर्जा के द्वारा दी जाने वाली हीलिंग की प्रक्रिया है। हमारा शरीर 70% पानी से बना है और इस पानी पर सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का अपने-अपने तरीके से प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा योग में बताया गया है कि हमारे शरीर में सात ऊर्जा चक्र होते हैं और यह फ़नल के आकार के होते हैं। जो ब्रह्मांड से ऊर्जा लेकर हमारे शरीर को पहुंचाते हैं। उन्होंने मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, मणिपुर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्ध चक्र, आज्ञा चक्र, सहस्र चक्र की स्थितियां तथा उनके द्वारा शरीर में नियंत्रित होने वाले विभिन्न अंगों तथा उनके मानसिक और शारीरिक प्रभाव की चर्चा की। उन्होंने कहा कि रेकी के माध्यम से ऊर्जा को सहस्र चक्र के माध्यम से प्रवेश कराते हैं तथा हाथ की हथेलियां के माध्यम से यह ऊर्जा हमारे विभिन्न अंगों को स्पर्श के माध्यम से प्रदान की जाती है। कई बीमारियों में रेकी के द्वारा की जाने वाली हीलिंग बहुत कारगर होती है। रेकी का प्रभाव शारीरिक स्तर, ऊर्जा के स्तर, मानसिक स्तर और आध्यात्मिक स्तर पर कैसे पड़ता है इस संबंध में चर्चा की। ऋतु नंदा ने विद्यार्थियों के सवालों और शंकाओं का समाधान किया और कुछ विद्यार्थियों के ऊपर स्पर्श हीलिंग करके भी दिखाया।

विकसित भारत युवा कनेक्ट प्रोग्राम
दिनांक - 24 जुलाई 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि कुंडलिनी जागृत करने की परंपरा योग में हमेशा से रही है। और यह भारतीय ज्ञान परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा कि मां का स्पर्श भी रेकी की थेरेपी के समान ही है। उन्होंने तनाव के शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ने वाले प्रभावों की भी चर्चा की।

कार्यकम में विषय प्रवर्तन एवं संचालन विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र की सह निदेशक डॉ. अनीता कौशल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की सह संयोजक एवं विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर की इंचार्ज सुश्री सुची मिश्रा द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण व्याख्यान कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण भारी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने बड़ी ही उत्सुकता से रेकी विधि को विस्तार से समझा।

नशा मुक्ति जागरूकता
दिनांक - 25 जुलाई 2025

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में आज मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस थाना चूना भट्टी के उप निरीक्षक तथा उनके सहयोगियों द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारी और अधिकारियों के लिए नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर चूना भट्टी थाना के उप निरीक्षक श्री कमलेंद्र चौबे ने कहा कि, माननीय मुख्यमंत्री की प्रेरणा से मध्य प्रदेश पुलिस विभाग द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग का यह प्रयास है कि, युवाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया जाए और उन्हें शपथ दिलाई जाए तथा इस संबंध में उनके हस्ताक्षर भी करवाये जाए। उन्होंने कहा नशे से न केवल हमारा आर्थिक, शारीरिक नुकसान होता है, बल्कि हमारी सामाजिक प्रतिष्ठा को भी गहरा धक्का लगता है। इस अवसर पर पुलिस विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के नशे और उसके दुष्प्रभावों पर आधारित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस श्री बी.बी. शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, सिगरेट में लगभग 2000 प्रकार के हानिकारक रसायन होते हैं। इनमें से प्रमुख है निकोटिन जो कि हमारे तंत्रिका तंत्र को बहुत हद तक प्रभावित करता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के नशे जैसे भांग, गांजा, तंबाकू, शराब, अफीम आदि के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि शराब से लिवर सिरोसिस नामक बीमारी होती है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों और कर्मचारियों को बताया कि हमें सभी प्रकार के नशों से दूर रहना चाहिए।

नशा मुक्ति जागरूकता
दिनांक – 25 जुलाई 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए, मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ सुशील मंडेरिया ने कहा कि, हमने देखा कि कोविड काल में जिन व्यक्तियों के फेफड़े कमजोर थे, उन्हीं की मृत्यु अधिक हुई है। उन्होंने कहा कि, हर प्रकार के नशे का आखिरी पड़ाव अवसान ही होता है। उन्होंने विशेष नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं पुलिस विभाग का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि, हमें पहले अपने परिवार को नशा मुक्त करना है,फिर अपने मोहल्ले को ,अपने शहर को अपने प्रदेश को और इस प्रकार हम अपना देश भी नशा मुक्त बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि, आजकल एक प्रकार का और नशा बढ़ता जा रहा है । मोबाइल की लत। ये लोगों में कई प्रकार की बीमारियों को जन्म दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आज हमें शपथ लेना चाहिए, कि हम किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे और जो नशा कर रहे हैं, वह भी छोड़ देंगे।

इस मौके पर विषय प्रवर्तन, संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की वरिष्ठ सलाहकार एवं कार्यक्रम की सह- संयोजक निधि रावल गौतम द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण जागरुकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण भारी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान
दिनांक - 13 अगस्त 2025

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज परिसर की साफ सफाई हेतु स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें परिसर में अनावश्यक घास और झाड़ियों की साफ सफाई की गई तथा विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक आदि के कचरे को हटा कर परिसर को स्वच्छ बनाया गया। भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन की मंशा अनुरूप हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय ने इस स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अधिकारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और स्वच्छता की शपथ भी ली।

स्वच्छता अभियान
दिनांक - 13 अगस्त 2025

इसके पूर्व भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत आम जन में नशे के दुष्परिणामों से बचाव और नशे की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ रतन सूर्यवंशी ने इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों कर्मचारियों, शिक्षकों और अधिकारियों को नशे के दुष्परिणाम एवं उसकी रोकथाम के तौर तरीकों को विस्तार से समझाया।

स्वच्छता अभियान
दिनांक - 13 अगस्त 2025

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर ऑफ़ प्रैक्टिस डॉ. बी. बी. शर्मा , एवं निदेशक प्रो. एल. पी. झरिया नशे के दुष्परिणाम एवं उसकी रोकथाम सम्बन्धी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरियाने किया। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित समस्त विद्यार्थियों, कर्मचारियों शिक्षकों और अधिकारियों को नशा मुक्ति हेतु शपथ भी दिलाई। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में आज मध्य प्रदेश शासन द्वारा माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी देखा गया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
दिनांक - 14 अगस्त 2025

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र भोपाल के निर्देशक डॉ. हर्षवर्धन तोमर थे। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारत के विभाजन के पूर्व की परिस्थितियों तथा विभाजन के पश्चात भारत पर प्रभाव के संदर्भ में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 11वीं शताब्दी तक भारत सोने की चिड़िया कहलाता था, उसके बाद भारत में लगभग 1000 साल तक विभिन्न प्रकार के आक्रमण होते रहे। इसी क्रम में 16वीं शताब्दी में अंग्रेज, फ्रांसीसी और डच आए। उनके आने का उद्देश्य भारत में ईसाई राज्य स्थापित करना था। डॉ. तोमर ने कहा कि 1857 के विद्रोह के बाद अंग्रेजों ने भारत में फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई। इसी क्रम में 1860 में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना हुई। कांग्रेस के पहले अधिवेशन में महारानी विक्टोरिया की जयकार की गई थी।

डॉ. तोमर ने सर सैयद अहमद खान के भाषण का उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि 1915 में महात्मा गांधी के भारत आने के बाद मुसलमानों का तुष्टिकरण और बढ़ गया। डॉ. तोमर ने बताया कि 200 सालों में भारत के सात टुकड़े हुए। विभाजन के बाद भारत में शरणार्थियों को कई तरह के कष्ट झेलना पड़े। डॉ. तोमर ने अखंड भारत के नक्शे को दिखाते हुए विभिन्न चित्रों के माध्यम से विभाजन के समय की भीषण परिस्थितियों को समझाया। उन्होंने कहा कि आज भारत को पुनः अखंड भारत बनाने का संकल्प लेने का दिवस है। उन्होंने आह्वान किया कि हमें अखंड भारत के महत्व को समझना चाहिए और हमें कभी भी पाकिस्तान के अस्तित्व के नहीं स्वीकारना चाहिए।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
दिनांक - 14 अगस्त 2025

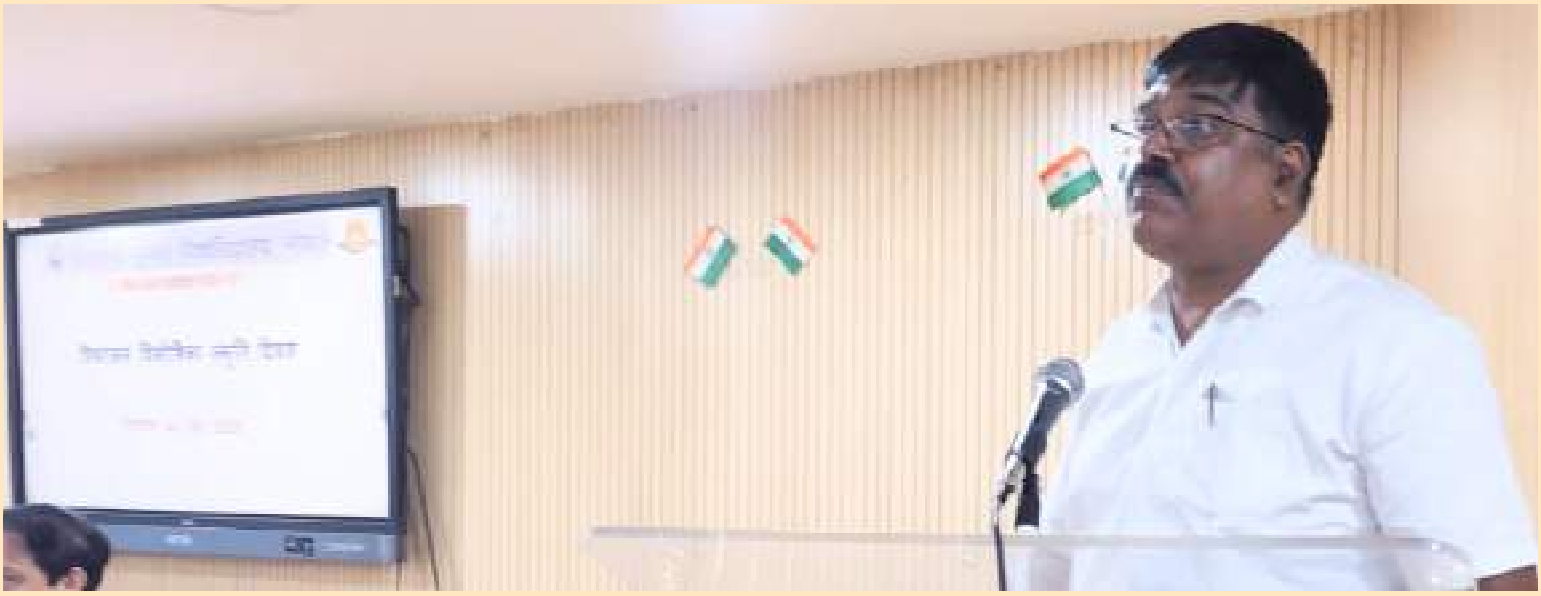

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि विभाजन विभीषिका दिवस मनाने का उद्देश्य यह है कि बंटवारे की भूमिका से सभी को अवगत कराया जा सके। उन्होंने कहा कि विभाजन का निर्णय करने वाले भारतीय नहीं थे। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार पाकिस्तान से आने वाले शरणार्थियों को विभाजन की पीड़ा सहनी पड़ी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष हमें इसी तरह विभाजन विभीषिका दिवस मनाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निदेशक प्रो.रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के समय लगभग 1.5 करोड़ लोगों का विस्थापन हुआ था और 10से 15 लाख लोग मरे गए थे। विभाजन के समय की परिस्थितियों का सम्पूर्ण ज्ञान युवाओं को देने के उद्देश्य से सन 2021 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का संकल्प लिया था।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस
दिनांक - 14 अगस्त 2025

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक समन्वय विभाग के निदेशक प्रो. एल. पी. झरिया ने कहा कि 1857 की क्रांति से लेकर 1947 तक का इतिहास हमारा राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास रहा है उन्होंने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि हमें सरकार के कार्यों में उनकी कल्याणकारी नीतियों में सहयोग प्रदान करना चाहिए और देश को विभाजित करने वाली शक्तियों का हमेशा विरोध करना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी , कर्मचारी ,शिक्षक और अधिकारी अधिकारी गण उपस्थित थे।

तिरंगा यात्रा
दिनांक - 14 अगस्त 2025

विश्वविद्यालय परिसर में इस अवसर पर माय एफएम रेडियो के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इसके पूर्व विश्वविद्यालय में शासन की मंशा अनुरूप विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर विद्यार्थियों, कर्मचारियों और अधिकारियों द्वाराबड़े हर्षोल्लास से तिरंगा यात्रा का का भव्य स्वागत किया गया।

स्वतंत्रता दिवस
दिनांक - 15 अगस्त 2025

स्वतंत्रता दिवस
दिनांक - 15 अगस्त 2025

सुरक्षित परिसर कार्यक्रम
दिनांक - 22 अगस्त 2025

मार्था फैरेल फाउंडेशन (एमएफएफ) एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्राओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण) विनियम, 2015 एवं कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 दिशानिर्देश अनुसार सुरक्षित परिसर कार्यक्रम के अंतर्गत एक ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।

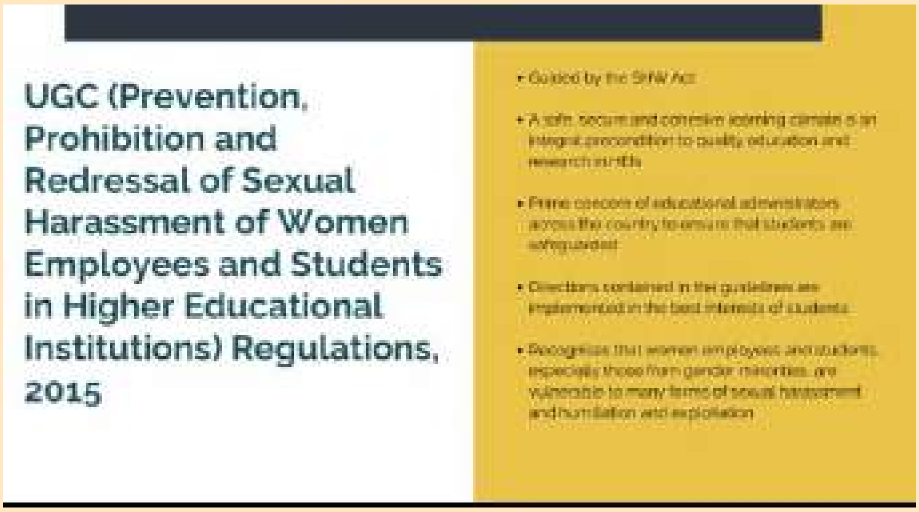

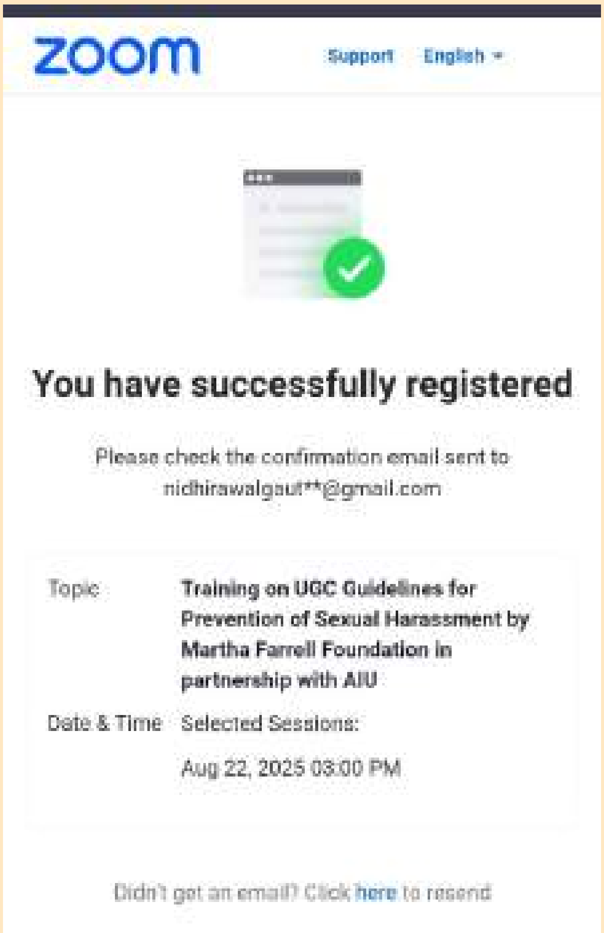

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य, विश्वविद्यालय परिसर को सुरक्षित, समावेशी और यौन उत्पीड़न से मुक्त रखना, यूजीसी दिशानिर्देशों के तहत संकाय सदस्यों (Faculty) में उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता पैदा करना, यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए संस्थागत क्षमता को मजबूत करना, यूजीसी द्वारा अनिवार्य अनुपालन और रिपोर्टिंग आवश्यकताओं को पूरा करने में उच्च शिक्षा संस्थानों का समर्थन करना, लैंगिक समानता की दिशा में काम कर रहे संस्थानों के बीच एक सहयोगी शिक्षण नेटवर्क के निर्माण को प्रोत्साहित करना था। विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर
दिनांक - 28 अगस्त 2025

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज जे.के. हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर तथा एल. एन. मेडिकल कॉलेज द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में जे.के. हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.ए.के. चौधरी के नेतृत्व में 15 लोगों की टीम ने मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की। इस जांच टीम में मेडिसिन विभाग के डॉक्टर्स, लैब टेक्नीशियन, स्टाफ नर्स, डाइटिशियन तथा शिविर संयोजक आदि शामिल रहे। इस जांच शिविर में लोगों के रक्तचाप की जांच की गई।उनके वजन की जांच की गई तथा रक्त के नमूने एकत्रित कर उनमें विभिन्न प्रकार की जांच जैसे किडनी फंक्शन टेस्ट, लिवर फंक्शन टेस्ट तथा हेमेटोग्राम तथा शुगर की जांच की गई। इसके साथ ही विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रस्त लोगों को सामान्य परामर्श भी दिया गया तथा उनको अपनी दिनचर्या में किस प्रकार भोजन करना चाहिए एवं दिनचर्या कैसी रखनी चाहिए, इस संबंध में भी मुफ्त में सलाह दी गई।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर
दिनांक - 28 अगस्त 2025

इस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते हुए जे.के. हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर ए.के. चौधरी ने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सामान्य चेतावनी एवं जागरूक करते हुए विभिन्न प्रकार की सावधानी बरतनी हेतु आग्रह किया और साथ ही कहा कि, इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न प्रकार की रक्त संबंधी जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि, एक समय था, जब मोटापा खाते पीते घरों की निशानी मानी जाती थी। किंतु आज ऐसा नहीं है, मोटापा आज खराब स्वास्थ्य के निशानी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि, उच्च रक्तचाप से लोगों के मस्तिष्क में स्ट्रोक हो सकता है तथा हार्ट भी फेल हो सकता है। इसलिए हमें अपने दिनचर्या को सुधारने की जरूरत है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के निर्देशक डॉ. रतन सूर्यवंशी ने कहा कि, आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि, कम खर्चे में हम आम लोगों तक कैसे स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाएं। उन्होंने शिविर में आए डॉक्टरों का आवाहन करते हुए है कि, आप अपने जीवन में सुनिश्चित करें की किस प्रकार गरीब लोगों को उचित कीमत पर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर
दिनांक - 28 अगस्त 2025

कार्यक्रम में स्वागत भाषण आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ नरेंद्र त्रिपाठी द्वारा दिया गया तथा कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की वरिष्ठ सलाहकार सुश्री निधि रावल गौतम द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी, अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में आज दो दिवसीय कार्यशाला का प्रारंभ हुआ। यह कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप राजनीति शास्त्र विषय के स्नातक द्वितीय वर्ष एवं स्नातक तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर के तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु आयोजित की गई है। इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विषय विशेषज्ञ एवं अध्यक्ष के रूप में प्रो. सुषमा यादव, पूर्व सम-कुलगुरु, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़, हरियाणा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. उत्तम सिंह चौहान, संयुक्त संचालक, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय कार्यशाला में राजनीति विज्ञान विषय के पूरे प्रदेश से लगभग 21 विषय विशेषज्ञों भाग ले रहे हैं। जो राजनीति विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम पर अपनी अनुशंसाएं उच्च शिक्षा विभाग के केंद्रीय अध्ययन मंडल को सौंपेंगे।

राजनीति शास्त्र विषय – पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक – 17 सितंबर 2025

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि आज हमें आवश्यकता है कि हम भारत के दर्शन को पुन: स्थापित करें। उन्होंने कहा कि हमें भारतीय दर्शन को समझना है और उसमें जो ज्ञान शाश्वत है, समसामयिक है, उसको हमें पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि दुनिया में वही दर्शन चलते हैं जो शाश्वत और सनातन मूल्य वाले होते हैं। उन्होंने उपस्थित राजनीति शास्त्र के प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमको यह सौभाग्य प्राप्त हुआ है कि हम भारतीय दर्शन और ज्ञान की महान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल कर सकें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम हमें समाजवाद की जगह एकात्म मानववाद को लाना है। हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम का ढांचा बनाना है जिसके शैक्षिक उद्देश्य स्पष्ट होने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विषयों में भारतीय ज्ञान परंपरा को लाना है तथा भारत में प्रचलित 18 विद्याएं और 64 कलाओं को विभिन्न विषयों में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिखाने की कला ऐसी हो कि विद्यार्थी खेल-खेल में ही सीख जाएं। शिक्षा में उल्लास होना चाहिए, शिक्षा आनंददायक होना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य है कि विद्या और आनंद के बीच के संबंध को स्थापित करें। ज्ञान से भय नहीं लगना चाहिए।

प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि हमें विषयों के जो मूलभूत सिद्धांत हैं उनको भी समझाना है लेकिन हमें उसे भारतीय परिपेक्ष और संदर्भों के साथ समझाना है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। हमें अपने विषय को अन्य विषयों के साथ भी जोड़ना होगा और हमें एक बार फिर से समग्र ज्ञान की ओर लौटना होगा। इसबात को भी रेखांकित करना होगा कि भारतीय ज्ञान का विश्व में क्या योगदान रहा है। हमारे वेदों, पुराणों और उपनिषदों में जो शाश्वत मूल्य हैं उनको आज के परिपेक्ष में चिंतन कर सम्मिलित करना होगा। हमें भविष्य के हिसाब से पाठ्यक्रम तैयार करना है तथा उसकी सार्थकता और व्यावहारिकता पर भी चिंतन करना होगा। प्रो. सुषमा यादव ने विशेषज्ञों को कहा कि आप स्कूलों के स्तर पर जो पाठ्यक्रम चल रहा है उसका भी अध्ययन करें और उसी के अनुसार विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम का निर्माण करें।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

कार्यशाला में बीज वक्तव्य देते हुए मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त संचालक प्रो. उत्तम सिंह चौहान ने कहा कि हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार भारतीय राजनीतिक चिंतन के आधार को खोजना है और उसे पाठ्यक्रम में शामिल करना है। हमें परंपरा और प्रणाली में अंतर को भी समझना होगा। प्रो. चौहान ने इस अवसर पर तत्व मीमांसा और ज्ञान मीमांसा की भी व्याख्या की। उन्होंने चारवाक दर्शन पर भी अपने विचार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि भारतीय चार्वाक दर्शन ही पश्चिमी देशों में गया और वहां पर उपयोगिता वादी दर्शन के रूप में विकसित हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शनों में परिणाम से ज्यादा कर्तव्य पर जोर दिया गया है। प्रो. उत्तम सिंह चौहान ने वाद , विवाद और वितंडावाद के अंतर को स्पष्ट किया। उन्होंने विद्वानों का आवाहन किया कि हम जो भी पाठ्यक्रम में शामिल करें उसके प्रमाण होने चाहिए। उन्होंने कहा की नई शिक्षा नीति के मौलिक चिंतन को आधार मानते हुए हमें पाठ्यक्रम का निर्माण करना है।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

इसके पूर्व कार्यशाला के समन्वयक और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक विभाग के निदेशक प्रो. एल.पी. झरिया ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला की रूपरेखा सामने रखी तथा इस संबंध में मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमें पाठ्यक्रम निर्माण करते समय भारतीय विचारकों और पश्चिमी विचारकों को सही अनुपात में स्थान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर कार्यशाला के आयोजन सचिव और मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा की बात सबसे पहले भारत के प्रधानमंत्रीजी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में की थी। उन्होंने कहा कि सभी विषय भारतीय ज्ञान से ही निकाल कर बाहर गए और हमारा योग और आयुर्वेद जब पश्चिम से लौट कर भारत आया तो यहां की जनता ने सहजता से स्वीकार किया।

कार्यक्रम का संचालन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. रतन सूर्यवंशी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हर्षवर्धन सिंह तोमर द्वारा किया गया।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में राजनीतिक विज्ञान विषय पर दो दिवसीय पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आफ प्रैक्टिस श्री बीबी शर्मा ने कहा कि भारत में ऐसे कई महान चिंतक और विचारक हुए हैं जिन्होंने कई सभ्यताओं को दिशा दी है। उन्होंने कहा कि कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित युद्ध के सिद्धांत अभूतपूर्व हैं। उनके बाद के जिन शासको ने युद्ध में उनके सिद्धांतों का उपयोग किया वह युद्ध में विजय हुए और जिन्होंने लागू नहीं किया वे बड़े-बड़े राजा युद्ध में पराजित भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय वेद, पुराणों , उपनिषदों आदि का अध्ययन कर मैक्स मूलर ने जब उनका अनुवाद किया तो पूरे विश्व को भारतीय ज्ञान से परिचय हुआ और वह भारतीय ज्ञान परंपरा से आलोकित हुए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजो के पास शेक्सपियर के पहले बताने को कुछ भी नहीं है। अंग्रेजों ने भारत में फूट डालो और राज करो की नीति अपना कर 200 वर्षो तक भारत पर राज किया। लेकिन आज हमें राजनीतिक आजादी प्राप्त है और राजनीति शास्त्र विषय का महत्व हमेशा ही बना रहेगा।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

कार्यक्रम में उपस्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की पूर्व सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने बताया कि हमें पाठ्यक्रम निर्माण करते समय यह चिंतन करना चाहिए कि वस्तुत राजनीति में भारतीयता कितनी आ रही है। इस पाठ्यक्रम में तर्क कितना है, यह सब सोचते हुए जब हम पाठ्यक्रम में परिवर्तन लाएंगे तो वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि यूजीसी ने ए पी आई स्कोरमें भी परिवर्तन किया है। अब शिक्षक पुस्तक में अगर कोई एक अध्याय भी लिखते हैं तो उसके लिए भी उनको स्कोर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम में परिवर्तन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा को स्थापित करना है। हमारा उद्देश्य राजनीति विज्ञान के स्वरूप को भारतीय बनाना है हम यह भी चाहते हैं कि विद्यार्थी को कुछ कुशलता मिले, कुछ निपुणता मिले, कुछ ज्ञान मिले और कुछ व्यावहारिकता भी प्राप्त करें।

उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम निर्माण के लिए विचार के साथ-साथ हमें कई प्रकार की स्रोत सामग्री की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि राजनीति विज्ञान का पठन-पाठन उल्लास पूर्वक होना चाहिए। उन्होंने पाठ्यक्रम निर्माण संबंधी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से संबंधित 13 बिंदुओं के संबंध में विस्तार से बताया।

राजनीति शास्त्र विषय - पाठ्यक्रम निर्माण
दिनांक - 17 सितंबर 2025

इस अवसर पर मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने कहा कि पहले कहावत थी "घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध" लेकिन अब वातावरण बदल रहा है, अब हम शिक्षा तंत्र पर स्वयंभू बन कर बैठेंगे। हमारा शिक्षा तंत्र ऐसा होगा जो बाहर जाकर दूसरों को भी प्रभावित करेगा। समापन कार्यक्रम के पूर्व वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसपी शुक्ला ने कार्यशाला के दोनों दिवसों में की गई कार्यवाही एवं प्रगति के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विशेषज्ञों द्वारा सुझाए गए महत्वपूर्ण सुझावों परिवर्तनों को सामने रखा। इस अवसर पर मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त संचालक प्रोफेसर उत्तम सिंह चौहान ने भी दो दिवसीय कार्यशाला पर अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यशाला सत्र में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस.पी. गौतम ने अपने संबोधन में बताया कि राजनीति विज्ञान में किस प्रकार से भारतीय चिंतन और भारतीय ज्ञान परंपरा को शामिल करना है तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत करना है जिससे विद्यार्थियों को तुलनात्मक रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा को स्पष्ट रूप से जानने का और समझने का मौका मिल सके तथा पाश्चात्य विचारकों से वे किस प्रकार भिन्न है।
कार्यशाला के नोडल अधिकारी मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक समन्वय विभाग के निदेशक प्रो. एल.पी. झरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी सहायता विभाग के निर्देशक प्रो. रतन सूर्यवंशी ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारी, अधिकारी तथा शिक्षक गण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

MPBOU INSTITUTE'S INNOVATIVE COUNCIL (IIC) IV QUARTERLY MEETING WAS CONDUCTED ON 23.09.2025.

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय Institute Innovative Council (IIC) IV Quaterlity बैठक का आयोजन दिनांक 23.09.2025 को किया गया, जिसमें प्रो॰ (डॉ) रतन सूर्यवंशी, निदेशक, विद्यार्थी सहायता एवं क्षेत्रीय सेवाएँ, प्रो॰ (डॉ) विभा मिश्रा, निदेशक, मुद्रण एवं वितरण, डॉ प्रज्ञा ओझा, निदेशक, आई टी, डॉ शुचि मिश्रा, सुश्री निधि रावल गौतम, वरिष्ठ सलाहकार, सीका, डॉ भारती शर्मा, वरिष्ठ सलाहकार, सीका, डॉ संजय गुलाटी, वरिष्ठ सलाहकार, सीका एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक आगामी कार्य योजना का संबंध में चर्चा की गई।

SAMARTH दो दिवसीय कार्यशाला
दिनांक - 18,19 सितम्बर 2025

सामर्थ परियोजना के अंतर्गत "लीव मैनेजमेंट मॉड्यूल" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में किया गया। इस प्रशिक्षण में राज्य की सभी विश्वविद्यालयों के नोडल अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में अवकाश प्रबंधन प्रणाली (Leave Management System) के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु तकनीकी एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। सत्र के दौरान सामर्थ टीम की वरिष्ठ विश्लेषक *सुश्री ममता गोसाई* एवं सॉल्यूशन आर्किटेक्ट *श्री आलोक कुमार पटेल* ने प्रतिभागियों को लीव मॉड्यूल की संपूर्ण प्रक्रिया — आवेदन से स्वीकृति तक — का व्यावहारिक प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को मॉड्यूल की कॉन्फ़िगरेशन, अवकाश प्रकारों की परिभाषा, नियम निर्धारण, अवकाश बैलेंस आयात तथा अधिकारी स्तर पर स्वीकृति प्रक्रिया की जानकारी दी गई। एम.पी. भोज (ओपन) विश्वविद्यालय, भोपाल से *श्री प्रदीप सिंह परिहार, कंप्यूटर प्रोग्रामर* ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और मॉड्यूल के तकनीकी पहलुओं पर सक्रिय सहभागिता दी।

कार्यशाला के प्रमुख निर्णयों में यह तय किया गया कि सभी विश्वविद्यालय 30 सितम्बर 2025 तक मॉड्यूल की कॉन्फ़िगरेशन पूर्ण कर लेंगे तथा इसे एक विभाग में प्रारंभ कर धीरे-धीरे सभी विभागों में लागू करेंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कुलपतियों और कुलसचिवों के साथ राज्यस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे कार्यान्वयन की गति को बढ़ाया जा सके।

विश्वविद्यालयों ने सुझाव दिया कि पोर्टल को हिन्दी एवं संस्कृत भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाए तथा मॉड्यूल में "सर्च" और "सूचना (i)" आइकन जैसी सुविधाएँ जोड़ी जाएँ।

यह कार्यशाला विश्वविद्यालयों में *प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और डिजिटलीकरण* की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

विज्ञान मेला
दिनांक – 26 से 29 सितम्बर 2025

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा 26 सितम्बर से 29 सितम्बर 2025 तक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल में Vijnana Bharati (VIBHA)] नई दिल्ली द्वारा आयोजित विज्ञान मेले में सफलतापूर्वक भाग लिया। आयोजित विज्ञान मेले में मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा एक स्टाल लगाई गई। जिसमें विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका, कैलेंडर, ब्रोशर, पाठ्यसामग्री रामचरित्र मानस से सामाजिक विकास में डिपलोमा आदि से संबंधित अध्ययन सामग्री आदि को प्रदर्शित किया गया। विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया, प्रचलित पाठ्यक्रम, स्वअधिगम पाठ्यसामग्री तथा विश्वविद्यालय ब्रोशर तथा समाज में शिक्षा से वंछित तथा दूरस्थ अंचल में निवासरत शिक्षा के इच्छुक लोगों को प्रदान की जाने वाली विशेष सुविधाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

इस अवसर पर माननीय शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह जी परमार विज्ञान मेले के निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के स्टाल पर भी उपस्थित हुये जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु प्रदान की जाने वाली विशेष सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई।

विज्ञान मेला
दिनांक - 26 से 29 सितम्बर 2025

विज्ञान मेला
दिनांक – 26 से 29 सितम्बर 2025

विज्ञान मेला
दिनांक - 26 से 29 सितम्बर 2025

इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. सुशील मण्डेरिया जी विज्ञान मेले में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा उत्साह पूर्वक एवं लगन पूर्वक सम्पूर्ण तीन दिवसीय आयोजन में अपनी सहभागिता प्रदान की।

विज्ञान मेला
दिनांक - 26 से 29 सितम्बर 2025

vibha विज्ञान भारती

12 वां भोपाल विज्ञान मेला

MPCST

युगाब्द 5127, विक्रम संवत् 2082

तिथि- अश्विन शुक्ल चतुर्थी, पंचमी, षष्ठी एवं सप्तमी

दिनांक- 26, 27, 28 एवं 29 सितम्बर 2025

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ___भोज विश्वविद्यालय, भोपाल___ ने विज्ञान भारती एवं मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एमपीसीएसटी), भोपाल द्वारा 26 से 29 सितम्बर 2025 को बरकतउल्ला विश्वविद्यालय,भोपाल के परिसर में आयोजित भोपाल विज्ञान मेला 2025 में भाग लेकर विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत ___महाप्रदर्शन के शैक्षिक संस्थान___ वर्ग में प्रदर्शन कर ___प्रतिभागिता___ ~~स्थान प्राप्त~~ किया।

आयोजन समिति इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती है।

डॉ. अमोघ कुमार गुप्ता
अध्यक्ष, विज्ञान भारती
मध्यभारत

डॉ. अनिल कोठारी
महानिदेशक
मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

भारत का विज्ञान, भारत के लिए विज्ञान